

This question paper contains 3 printed pages]

Roll No.

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|

S. No. of Question Paper : 1479

Unique Paper Code : 210601

D

Name of the Paper : Text of Indian Philosophy-II

Name of the Course : B.A. (Hons.) Philosophy

Semester : VI

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

Note : Answers may be written *either* in English *or* in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी : इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

Attempt any *five* questions.

All questions carry equal marks.

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिये ।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. Explain the nature and role of antahkaraṇavṛtti in the process of perception according to Vedānta Paribhāṣā. In this context elucidate the different criterion of perceptuality of cognition.

वेदान्त परिभाषा के अनुसार प्रत्यक्ष की प्रक्रिया में अंतःकरणवृत्ति की भूमिका एवं प्रकृति की व्याख्या कीजिए। इस संदर्भ में प्रत्यक्षत्व के विभिन्न प्रयोजकों को स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

2. What are the different conditions of a valid knowledge (pramā) according to Vedānta Paribhāṣā ?

Explain the nature of anumāna as a pramāṇa.

वेदान्त परिभाषा के अनुसार प्रमा की क्या-क्या भिन्न दशाएँ हैं ? अनुमान की परिचर्चा प्रमाण के स्वरूप में कीजिए।

3. Explain the distinction between Pauruṣeya and Apauruṣeya in āgama pramāṇa. Elucidate the *four* different conditions of a meaningful sentence.

आगम प्रमाण में पौरुषेय एवं अपौरुषेय की भिन्नता का परीक्षण कीजिए। इस संदर्भ में सार्थक वाक्य की चार दशाओं का विवरण दीजिए।

4. Why is anuplabdhi considered a distinct pramāṇa ? Explain in detail the different kinds of non-existence.

अनुपलब्धि को क्यों एक पृथक प्रमाण के रूप में स्वीकार किया जाता है ? अभाव के विभिन्न प्रकारों का विस्तार से वर्णन कीजिए।

5. Explain the distinction between Svarūpa lakṣaṇa and Tatastha lakṣaṇa of Brāhman as discussed in Vedānta Paribhāṣā.

वेदान्त परिभाषा में विवेचित ब्रह्म के स्वरूप लक्षण एवं तटस्थ लक्षण के भेद की व्याख्या कीजिए।

6. 'The knower of the Brahman becomes the Brahman itself. Explain the nature and aim of Advait Vedānta in the context of the above statement.

'ब्रह्म को जान लेने पर ब्रह्म ही होता है।' इस वाक्य के संदर्भ में अद्वैत वेदान्त के लक्ष्य एवं प्रकृति की विवेचना कीजिए।

7. Write short notes on any *two* of the following :

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(a) Determine and indeterminate perception

निर्विकल्प एवं सविकल्प प्रत्यक्ष

(b) Comparison

उपमान

(c) Pañchikarana

पंचिकरण

(d) Arthāpatti

अर्थापत्ति ।